

अखलि भारतीय कालदिस समारोह-2022 का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

4 नवंबर, 2022 को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने देव प्रबोधनी एकादशी पर सातदिवसीय अखलि भारतीय कालदिस समारोह-2022 का शुभारंभ किया। यह समारोह 4 नवंबर, 2022 से 10 नवंबर, 2022 तक आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख बदि

- इस समारोह का शुभारंभ कालदिस संस्कृत अकादमी के पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल सभागृह में विक्रम विश्वविद्यालय और कालदिस संस्कृत अकादमी मध्य प्रदेश संस्कृत परिषद के तत्वावधान में हुआ।
- इस समारोह में पद्मभूषण बुधादित्य मुखर्जी (सतिारवादन), पद्मश्री डॉ.पुरू दाधीच (कथक नृत्य), वासुदेव कामथ (चित्रकला) और रंगकर्मी एवं प्रसिद्ध अभिनेता राजीव वर्मा को राज्य शासन के प्रतिष्ठित अलंकरण 'राष्ट्रीय कालदिस सम्मान' से वभूषित किया गया। पहली बार यह चारों सम्मान कालदिस समारोह में दिये गए।
- राज्यपाल ने इस अवसर पर रघुवंशम् में लगी प्रदर्शनी तथा अश्वनी शोध संस्थान महदिपुर द्वारा लगाई गई सकिकों की प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। राज्यपाल ने परसिर में हथकरघा एवं हस्त शिल्प मेले का शुभारंभ किया।
- इस समारोह में उपस्थित अतिथियों द्वारा पुस्तक 'दुर्वा' और 'मेघदूत' के भोजपुरी अनुवाद एवं कालदिस राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी के बर्रोशर का वमोचन किया गया।
- उल्लेखनीय है कि अखलि भारतीय कालदिस समारोह उज्जैन शहर में प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाने वाला एक सात दिवसीय समारोह है, जो कालदिस, वात्सयायन, भरतृहरि जैसे संस्कृत के साहित्यकारों से परिचित हैं और शविमंगल सहि सुमन, प्रभाकर माछवे, गजानन माधव मुक्तबिध और पंडति सूर्य नारायण व्यास जैसे हनिदी लेखकों की सराहना करते हैं।
- अखलि भारतीय कालदिस समारोह के दौरान कई नाटकों का मंचन किया जाता है, जो सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विषयों की एक वस्तुत शरूंखला को दर्शाते हैं। भारतीय शास्त्रीय कार्यक्रमों में कुछ कलाकारों के अलावा कई दगिगज भी प्रदर्शन करते हैं, जिनकी संगीत क्षेत्र में यात्रा अभी शुरु हुई है।
- वदिति है कि भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 1958 में पहली बार इस समारोह का उद्घाटन किया था। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडति जवाहरलाल नेहरू ने उज्जैन में द्वितीय अखलि भारतीय कालदिस समारोह का उद्घाटन करने का गौरव प्राप्त किया था।